प्रसार व्याख्यान माला समिति आख्या

2022-2023

महाविद्यालय की छात्राओं को परंपरागत विषयों के अतिरिक्त अन्य विषयों की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से सत्र 2022-23 में प्रसार व्याख्यान माला समिति का गठन किया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर(डॉ0)अंजु सिंह जी के संरक्षण व प्रसार व्याख्यान माला समिति की संयोजक प्रोफ़ेसर (डॉ0) मोनिका चौधरी के नेतृत्व में महाविद्यालय में विषय विशेषज्ञों द्वारा ज्वलंत विषय से संबंधित व्याख्यान प्रस्तुत किए गए जो न केवल छात्रों के ज्ञान वृद्धि में सहायक हुए अपितु छात्राओं के भविष्य के लिए नई दिशा देने में भी सफल हुए।

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में दिनांक 20 /9/ 2022 को प्रसार व्याख्यान माला के अंतर्गत आधुनिक विकास का पर्यावरण पर प्रभाव विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में श्री विजयपाल सिंह बघेल(ग्रीन मैन)रहे।कार्यक्रम की संयोजिका डॉ०मोनिका चौधरी ने मुख्य अतिथि स्वागत भाषण में उनका एक संक्षिप्त परिचय दिया।कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका चौधरी ने किया।महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो•(डॉ) अंजू सिंह ने अतिथि का स्वागत ज्ञापित करते हुए कहा कि विकास की दौड़ में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह कृषि ,विज्ञान परिवहन ,उद्योग या दिन प्रतिदिन की चर्या हो तकनीकी का प्रयोग व्यापक रूप में हो रहा है किंतु इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी ने अनेक पर्यावरणीय समस्याओं को भी जन्म दिया है। अतः आवश्यकता है कि विकास के इस दौर में पर्यावरण का हनन न हो एवं उसका समावेशी संरक्षण हो सके इसके लिए हम सभी को समन्वित प्रयास के रूप में पेड़ पौधे लगाकर उनकी संख्या बढ़ानी चाहिए ताकि हमारा भविष्य भी सुरक्षित हो सके। मुख्य वक्ता श्री विजयपाल सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण को एक विषय के रूप में स्नातक और परास्नातक स्तर पर अध्ययन कराना आज की महती आवश्यकता है। बीते बरसों मे कोविड ने ऑक्सीजन की कीमत से सभी को उचित रूप से समझा दिया है उन्होंने एक सर्वे के आंकड़ों के आधार पर बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को सांस लेने के लिए 422 पेड़ की आवश्यकता होती है जो कि भारत में मात्र 28 प्रति व्यक्ति पेड़ है एक पेड़ से बने कागजों का औसतन 1 छात्र मात्र 1 साल में ही प्रयोग कर लेता है। इस प्रकार निरंतर पेड़ पौधों को लगाने की आवश्यकता भी है और अंत में उन्होंने एक नारा भी दिया कि" सांस हो रही है कम आओ पेड़ लगाए हम, एवं पौधा लगाएं पेड़ बनाएं और पॉलिथीन को हटाए"।महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ भारतीय दीक्षित ने पर्यावरण संबंधी प्रेरक उद्बोधन के लिए मुख्य वक्ता विजय सिंह बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं छात्राओं को पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि अपने जीवन से संबंधित विभिन्न अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक लेफ्टिनेंट डॉक्टर लता कुमार ने कहा पर्यावरण संरक्षण व्यवस्थित मुद्दा है। पर्यावरण को इस प्रकार संरक्षित करना है कि वह हमारे जीवन का अंग बन जाए एक वृक्ष लगाना और एक वृक्ष बचाना भी इसका उद्देश्य होना चाहिए। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ मोनिका चौधरी ने मुख्य अतिथि धन्यवाद ज्ञापित किया समिति के सदस्यों

डॉ सत्यपाल सिंह राणा, डॉ रामचंद्र सिंह डॉ पूनम भंडारी ,डॉ भावना सिंह ,डॉ शालिनी सिंह ,डॉ मनीषा भूषण, डॉ ज्योति चौधरी, एवं डॉ आवेश को कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में डॉ लेफ्टिनेंट लता कुमार, डॉ भारती दीक्षित ,डॉ सुरेश जैन ,डॉअनुजा गर्ग ,डॉ सुधारानी सिंह, डॉ अनीता गोस्वामी,डॉ कुमकुम,डॉ रोशन लाल , डॉ रविंद्र कुमार,डॉ गौरी,डॉ राजकुमार, डॉ शरद कुमार,डॉ रिचा राणा ,डॉ शाहिदा परवीन एवं डॉ गौरव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विजय सिंह बघेल ने प्राचार्य अंजू सिंह के साथ महाविद्यालय प्रांगण में पौधा लगाया एवं पर्यावरण संरक्षण की छात्राओं को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में 105 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। एवं छात्राओं द्वारा फीडबैक फॉर्म भी प्राप्त किया गया।

GPS Map Camera
Meerut, Uttar Pradesh, India
XM4V+MHV, Madhav Puram, Meerut, Uttar Pradesh 250002, India
Lat 28.956852°
Long 77.693608°
20/09/22 11:23 AM GMT +05:30
Google

श.मं.पा. राजकीय महिला स्नात. महाविद्यालय माधवपुर
प्रसार व्याख्यान माला
EXTENSION LECTURES

श.म.पा. राजकीय महिला
महाविद्यालय
माला
realme
Shot by aadi

THE NEWS RED
पत्रकारिता अभियान के रूप में
BREAKING NEWS
21/09/2022

प्रत्येक व्यक्ति को सांस लेने के लिए 422 पेड़ की आवश्यकता होती है जो कि भारत में मात्र 28 प्रति व्यक्ति पेड़ है

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विजयपाल सिंह बघेल(ग्रीन मैन)रहे।कार्यक्रम की संयोजिका डॉ०मोनिका चौधरी ने मुख्य अतिथि स्वागत भाषण में उनका एक संक्षिप्त परिचय दिया।कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका चौधरी ने किया।महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो•(डॉ) अंजू सिंह ने अतिथि का स्वागत ज्ञापित करते हुए कहा कि विकास की दौड़ में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह कृषि ,विज्ञान परिवहन ,उद्योग या दिन प्रतिदिन की चर्या हो तकनीकी का प्रयोग व्यापक रूप में हो रहा है किंतु इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी ने अनेक पर्यावरणीय समस्याओं को भी जन्म दिया है। अत: आवश्यकता है कि विकास के इस दौर में पर्यावरण का हनन न हो एवं उसका समावेशी संरक्षण हो सके इसके लिए हम सभी को समन्वित प्रयास के रूप में पेड़ पौधे लगाकर उनकी संख्या बढ़ानी चाहिए ताकि हमारा भविष्य भी सुरक्षित हो सके। मुख्य वक्ता विजयपाल सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण को एक विषय के रूप में स्नातक और परास्नातक स्तर पर अध्ययन कराना आज की महती आवश्यकता है। बीते बरसों मे कोविड ने ऑक्सीजन की कीमत से सभी को उचित रूप से समझा दिया है उन्होंने एक सर्वे के आंकड़ों के आधार पर बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को सांस लेने के लिए **422** पेड़ की आवश्यकता होती है जो कि भारत में मात्र **28** प्रति व्यक्ति पेड़ है एक पेड़ से बने कागजों का औसतन **1** छात्र मात्र **1** साल में ही प्रयोग कर लेता है। इस प्रकार निरंतर पेड़ पौधों को लगाने की आवश्यकता भी है और अंत में उन्होंने एक नारा भी दिया कि" सांस हो रही है कम आओ पेड़ लगाए हम, एवं पौधा लगाएं पेड़ बनाएं और पॉलिथीन को हटाए"।महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ भारतीय दीक्षित ने पर्यावरण संबंधी प्रेरक उद्बोधन के लिए मुख्य वक्ता विजय सिंह बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं छात्राओं को पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि अपने जीवन से संबंधित विभिन्न अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ मोनिका चौधरी ने मुख्य अतिथि धन्यवाद ज्ञापित किया समिति के सदस्यों डॉ सत्यपाल सिंह राणा, डॉ रामचंद्र सिंह डॉ पूनम भंडारी ,डॉ भावना सिंह ,डॉ शालिनी सिंह ,डॉ मनीषा भूषण, डॉ ज्योति चौधरी, एवं डॉ आवेश को कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में डॉ लेफ्टिनेंट लता कुमार, डॉ भारती दीक्षित ,डॉ सुरेश जैन ,डॉअनुजा गर्ग ,डॉ सुधारानी सिंह, डॉ अनीता गोस्वामी,डॉ कुमकुम,डॉ रोशन लाल ,डॉ गौरी,डॉ राजकुमार, डॉ शरद कुमार,डॉ रिचा राणा ,डॉ शाहिदा परवीन एवं डॉ गौरव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विजय सिंह बघेल ने प्राचार्य अंजू सिंह के साथ महाविद्यालय प्रांगण में पौधा लगाया एवं पर्यावरण संरक्षण की छात्राओं को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में **105** छात्राओं ने प्रतिभाग किया। एवं छात्राओं द्वारा फीडवैक फॉर्म भी प्राप्त किया गया।डॉ मोनिका चौधरी संयोजिका

Contact For Advertising : 9634324860
www.thenewsred.com

12 जनवरी 2023 को शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में प्रसार व्याख्यान माला तथा आज़ादी के अमृत महोत्सव द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्मोत्सव राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत स्किल ओरिएंटेड हायर एजुकेशन एन. ई. पी. 2020 विषय पर एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ)दिनेश चंद शर्मा, विभागाध्यक्ष जंतु विभाग कु. मायावती स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय बादलपुर रहे। समिति की संयोजक प्रो. (डॉ.) मोनिका चौधरी ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं उनके संक्षिप्त परिचय से छात्राओं को अवगत कराया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अंजू सिंह एवं मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण करके किया। मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में एन. ई. पी. 2020 के अंतर्गत स्किल ओरिएंटेड कोर्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होने बताया कि इसके ओरिएंटेड कोर्स में तीन प्रकार के कोर्स होते हैं। जिसमें पहला लैंग्वेज ओरिएंटेड स्किल दूसरा लाइफ ओरिएंटेड स्किल एवं तीसरा वोकेशनल ओरिएंटेड स्किल कोर्स है। जो क्रमशः विभिन्न भाषा संबंधी कौशल, व्यक्तित्व विकास संबंधित एवं जीविकोपार्जन से संबंधित है। इसके अंतर्गत विभिन्न कौशलों से संबंधित पाठ्यक्रम को समाहित किया जा सकता है जैसे ड्राइविंग, मूर्तिकला कौशल , विभिन्न पैथोलॉजी कोर्सेज, सांस्कृतिक लोक विद्या, पोषण संबंधी, स्विमिंग और फोटोग्राफी कारपेट संबंधी एवं विभिन्न क्षेत्रीय कौशलों से संबंधित कोर्स को सम्मिलित किया जा सकता है यह कोर्स ऑनलाइन भी संचालित होते हैं जो विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों जैसे स्वयं एवं स्किल इंडिया पर उपलब्ध है। जिसको कर लेने के बाद छात्राओं के स्कोर क्रेडिट होते हैं एक क्रेडिट कोर्स के लिए 4 सप्ताह का अर्थात 15 घंटे का कोर्स होता है। छात्र प्रथम एवं द्वितीय वर्ष अर्थात 4 सेमेस्टर तक 12 क्रेडिट कोर्स कर सकता है। यह क्रेडिट किए हुए अंक 7 साल तक मान्य है। छात्राओं ने अपनी जिज्ञासा से संबंधित प्रश्न भी मुख्य वक्ता से किए। प्रो (डा) लता कुमार ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा डॉक्टर अनीता गोस्वामी ने विवेकानंद के जीवन से जुड़ी हुई तथा उनके विचारों से संबंधित बातें छात्राओं से साझा की। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉक्टर अंजू सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन कर विवेकानंद को अपने जीवन का आदर्श बनाने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने कहा कि छात्राएँ स्किल कोर्स करके अपने जीवन को सँवार सकती है और कुछ पैसे अर्जित कर अच्छी पढ़ाई भी कर सकती हैं। उक्त अवसर पर लगभग डेढ़ सौ छात्राओं नेप्रतिभाग किया तथाफ़ीड बैक भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में समिति की संयोजक प्रो. (डॉ.) मोनिका चौधरी ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समिति के समस्त सदस्य डॉ एस पी एस राणा, डॉ मनीषा भूषण, डॉ आर. सी सिंह, डॉ भावना सिंह, डॉ ज्योति चौधरी एवं डॉक्टर आवेश कुमार उपस्थित रहे। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक प्रो. भारतीय दीक्षित, प्रो. लता कुमार ,प्रो. अनुजा रानी गर्ग ,प्रो.अनीता गोस्वामी , प्रो. सुधारानी, प्रो गीता चौधरी, डॉ उषा साहनी, डॉ राकेश ढल, डॉ कुमकुम डॉ अमित कुमार, डॉ अमर ज्योति, डॉ पारुल मलिक, डॉ गौरी डॉक्टर दीपा गुप्ता, विकास कुमार, डॉ डे जी डॉ मुनेश कुमार, डॉ रिचा राणा एवं डॉ शाहिदा परवीन उपस्थित रहे। समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रोफ़ेसर डॉक्टर मोनिका चौधरी द्वारा किया गया।

श.मं.पा. राजकीय महिला
माधवपुरम
प्रसार

श.मं.पा. राजकीय महिला स्नात. महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ
प्रसार व्याख्यान माला
EXTENSION LECTURES
आजादी का अमृत महोत्सव
GPS Map Camera
Meerut, Uttar Pradesh, India
XM4V+MHV, Madhav Puram, Meerut, Uttar Pradesh
250002, India
Lat 28.956982°
Long 77.69357°
12/01/23 11:11 AM GMT +05:30
Google

श.मं.पा. राजकीय महिला स्नात. महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ
प्रसार व्याख्यान माला
EXTENSION LECTURES
आज़ादी का अमृत महोत्सव

THE NEWS RED

पत्रकारिता अभियान के रूप में

BREAKING NEWS

13/01/2023

आज़ादी के अमृत महोत्सव द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्मोत्सव को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में प्रसार व्याख्यान माला तथा आज़ादी के अमृत महोत्सव द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्मोत्सव राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत स्किल ओरिएंटेड हायर एजुकेशन एन. ई. पी. 2020 विषय पर एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.(डॉ)दिनेश चंद शर्मा, विभागाध्यक्ष जंतु विभाग कु. मायावती स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय बादलपुर रहे। समिति की संयोजक प्रो. (डॉ.) मोनिका चौधरी ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं उनके संक्षिप्त परिचय से छात्राओं को अवगत कराया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अंजू सिंह एवं मुख्य वक्ता प्रो.डॉ.दिनेश चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण करके किया। मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में एन. ई. पी. 2020 के अंतर्गत स्किल ओरिएंटेड कोर्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इसके ओरिएंटेड कोर्स में तीन प्रकार के कोर्स होते हैं/जिसमें पहला लैंग्वेज ओरिएंटेड स्किल दूसरा लाइफ ओरिएंटेड स्किल एवं तीसरा वोकेशनल ओरिएंटेड स्किल कोर्स है। जो क्रमशः विभिन्न भाषा संबंधी कौशल, व्यक्तित्व विकास संबंधित एवं जीविकोपार्जन से संबंधित है। इसके अंतर्गत विभिन्न कौशलों से संबंधित पाठ्यक्रम को समाहित किया जा सकता है जैसे ड्राइविंग, मूर्तिकला कौशल , विभिन्न पैथोलॉजी कोर्सेज, सांस्कृतिक लोक विद्या, पोषण संबंधी, स्विमिंग और फोटोग्राफी कारपेट संबंधी एवं विभिन्न क्षेत्रीय कौशलों से संबंधित कोर्स को सम्मिलित किया जा सकता है यह कोर्स ऑनलाइन भी संचालित होते हैं जो विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों जैसे स्वयं एवं स्किल इंडिया पर उपलब्ध है। जिसको कर लेने के बाद छात्राओं के स्कोर क्रेडिट होते हैं एक क्रेडिट कोर्स के लिए 4 सप्ताह का अर्थात 15 घंटे का कोर्स होता है। छात्र प्रथम एवं द्वितीय वर्ष अर्थात 4 सेमेस्टर तक 12 क्रेडिट कोर्स कर सकता है। यह क्रेडिट किए हुए अंक 7 साल तक मान्य है। छात्राओं ने अपनी जिज्ञासा से संबंधित प्रश्न भी मुख्य वक्ता से किए। प्रो (डा) लता कुमार ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा डॉक्टर अनीता गोस्वामी ने विवेकानंद के जीवन से जुड़ी हुई तथा उनके विचारों से संबंधित बातें छात्राओं से साझा की । महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर अंजू सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन कर विवेकानंद को अपने जीवन का आदर्श बनाने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने कहा कि छात्राएँ स्किल कोर्स करके अपने जीवन को सँवार सकती है और कुछ पैसे अर्जित कर अच्छी पढ़ाई भी कर सकती हैं । उक्त अवसर पर लगभग डेढ़ सो छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथापीठ बैक भी प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के अंत में समिति की संयोजक प्रो. (डॉ.) मोनिका चौधरी ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समिति के समस्त सदस्य डॉ एस पी एस राणा, डॉ मनीषा भूषण, डॉ आर. सी सिंह, डॉ भावना सिंह, डॉ ज्योति चौधरी एवं डॉक्टर आवेश कुमार उपस्थित रहे। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक प्रो. भारतीय दीक्षित, प्रो. लता कुमार ,प्रो. अनुजा रानी गर्ग ,प्रो.अनीता गोस्वामी , प्रो. सुधारानी, प्रो गीता चौधरी, डॉ उषा साहनी, डॉ राकेश ढल, डॉ कुमकुम डॉ अमित कुमार, डॉ अमर ज्योति, डॉ पारुल मलिक, डॉ गौरी डॉक्टर दीपा गुप्ता, विकास कुमार,डॉ.मुनेश कुमार, डॉ रिचा राणा एवं डॉ शाहिदा परवीन उपस्थित रहे। समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रोफेसर डॉक्टर मोनिका चौधरी द्वारा किया गया।प्रो मोनिका चौधरी

संयोजक प्रसार व्याख्यानमाला समिति

Contact For Advertising : 9634324860

www.thenewsred.com

महाविद्यालय में आयोजित अतिथि व्याख्यान

महाविद्यालय में सत्र 2022-23 मे छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु विभिन्न विभागों द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 11 3 2023 को डॉक्टर जसवीर सिंह मवाना कॉलेज मवाना द्वारा व्याख्यान दिया गया।

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 22 मार्च 2023 को फिटनेस और योग विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया इसमें मुख्य वक्ता स्वतेंद्र सिंह एसोसिएट प्रोफेसर सरस्वती डिग्री कॉलेज हाथरस रहे।

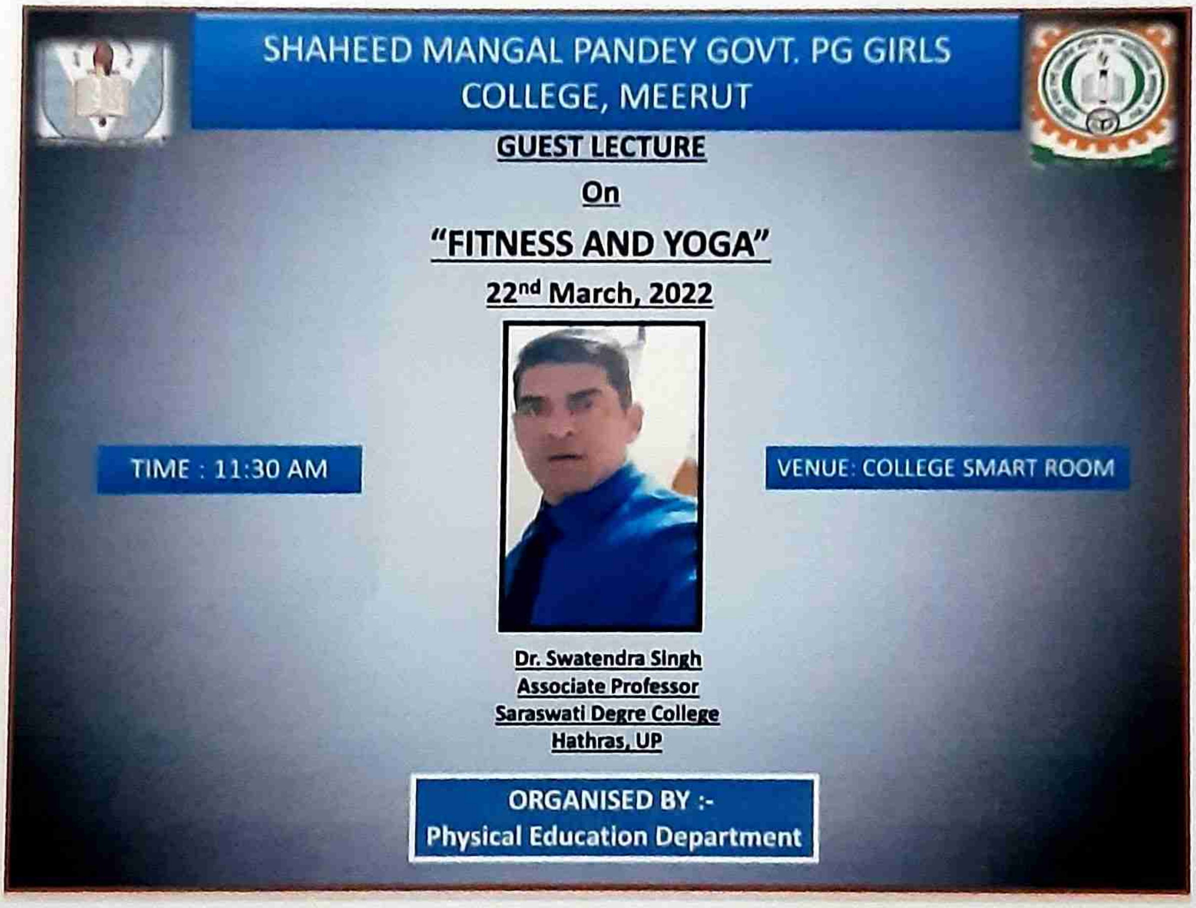

realme
Shot by aadi

What is the solution
realme
Shot by aadi

भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 3 -6 -2023 को प्रोफेसर (डॉ०)ललित कुमार , भौतिक विज्ञान विभाग,मेरठ कॉलेज मेरठ द्वारा "करियर आफ्टर एम एस सी फिजिक्स"पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर वाईएस तोमर , एम एम एच कॉलेज, गाजियाबाद, Topic -Spirits and Career opportunities

Organized by Physical education Department

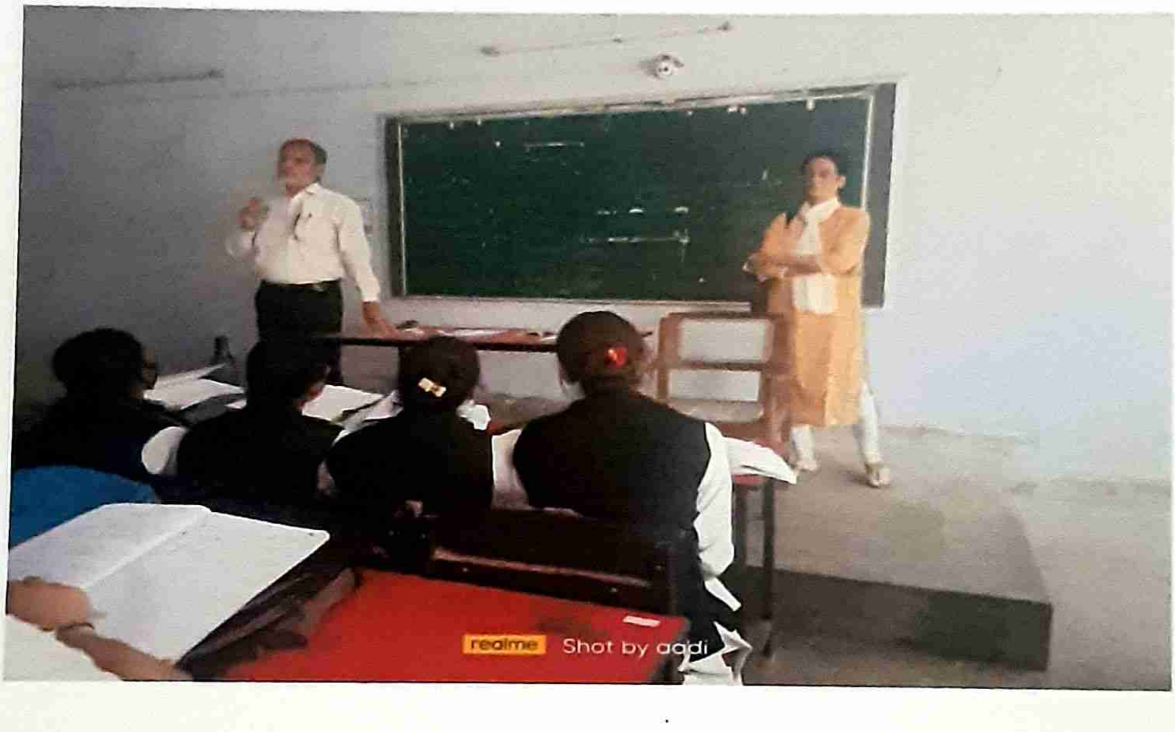

महाविद्यालय में प्रसार व्याख्यान माला अपने उद्देश्य में सफल रही । छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभा किया तथा फीडबैक के माध्यम से इस तरह के व्याख्यानों में विशेष रुचि प्रदर्शित की । प्रसार व्याख्यानों को आयोजित करने में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) अंजू सिंह जी के संरक्षण व दिशा निर्देशन तथा समिति के सदस्यों, महाविद्यालय परिवार का विशेष योगदान रहा ।कार्यक्रम का सफल संचालन प्रसार व्याख्यान माला संयोजक प्रोफेसर(डॉ) मोनिका चौधरी द्वारा किया गया।

प्रोफेसर (डॉ0) अंजू सिंह
प्राचार्य

प्राचार्य
शा०मं०पा० राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
माधवपुरम, मेरठ

प्रोफेसर(डॉ)मोनिका चौधरी
संयोजक
प्रसार व्याख्यान माला समिति